यह भारत तब तक भारत था

यह भारत तब तक भारत था
जब तक था
नारी का सम्मान यहाँ
आचार –विचार नियम धर्म का मान यहाँ
तब नारी शक्ति थी

अबला अब कहलाती है।
इसी भारत की धरोहर कही जाती थी
यही भारत देश है ,
जहाँ नारी पूजी जाती थी
अब तो मानव मन से
मानव खो गया है
आँगन में नारी के
सूनापन बो गया है।

शौर्य सहदेव
कक्षा 9 अ

आखिर कौन हूँ मैं ?

कभी –कभी जब खुद को
देखती हूँ
प्रश्न करती हूँ खुद से
आखिर कौन हूँ मैं ?
मुकर जाती है
दुनिया खुद से किए वादों से
मेरे आँसू परखते हैं
मेरा हौसला
तमन्नाएँ बताती हैं
जीने का सलीका
कायरता
हिम्मत का पर्याय नहीं है
कठोर हो ज़मीन ज़िंदगी की
जम ही जाती हैं
उम्मीदें दूब की तरह।

सिमरन झा
कक्षा 10ब

नदी

नदी ओ नदी,ओ नील नदी

पर्वत से निकली नील नदी

सरस नीर की धार नदी

पशु –पक्षियों और मानव से

करती सच्चा प्यार नदी

कल- कल करती ,छल-छल करती

छेड़े मीठा राग नदी

वर्षा के मौसम में करती

कैसी भागमभाग नदी

बलखाती ऐसे चलती

जैसे कोई नाग नदी

वैभव उप्पल
कक्षा 8अ

जीवन ज्योति जलने दो।

भौतिकता की चकाचौंध में

इंसानियत खो गई है

अब तो भ्रष्टाचार की हद हो गई है

भ्रूण शिशु को ख़त्म करके नारी

समाज को कलंक लगा रही है

गांधी के अहिंसावादी देश में

हिंसा लौट कर आ रही है

कलियों को खिल जाने दो

मीठी खुशबू फैलने दो

बंद करो उनकी हत्या अब

जीवन ज्योति जलने दो।

राशी जैन
कक्षा 10ब

Mentored By : Mr. A.N. DHAR

Staff Editor: REENA VERMA (ENGLISH)
AJAY SHARMA (HINDI)

Student Editors: ACHAL MISHRA & NISHKA MALIK
Designed by : ACHAL MISHRA

The Trumpet

The Trumpet

The Trumpet